दिनांक 08 मई 2023 को केंद्रीय बोर्ड के निदेशकों से संबंधित संक्षिप्त जानकारी

कार्यपालक निदेशक

श्री दिनेश कुमार खारा, अध्यक्ष

श्री दिनेश कुमार खारा देश के सबसे बड़े बैंक- भारतीय स्टेट बैंक के अध्यक्ष हैं। परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में 1984 में बैंक में शामिल होने के पश्चात्, उन्हें बैंकिंग के सभी क्षेत्रों का समृद्ध अनुभव है। बैंक के अध्यक्ष के रूप में पद ग्रहण करने से पूर्व उन्होंने कई अतिमहत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया जैसे प्रबंध निदेशक (ग्लोबल बैंकिंग और अनुषंगियां), प्रबंध निदेशक (सहयोगी और अनुषंगियां), प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (एसबीआई म्यूचुअल फंड) और मुख्य महाप्रबंधक- भोपाल मंडल। उन्हें एक विदेशी कार्यभार के लिए शिकागो में भी पदस्थापित किया गया था। प्रबंध निदेशक के रूप में, उन्होंने बैंक की अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग समूह, बड़े कॉर्पोरेट और ट्रेजरी संचालन सहित गैर-बैंकिंग सहायक कंपनियों जैसे एसबीआई कार्ड्स, एसबीआईएमएफ, एसबीआई लाइफ, एसबीआई जनरल आदि का नेतृत्व किया। उन्होंने एसबीआई के साथ पांच पूर्व सहयोगी बैंकों और भारतीय महिला बैंक के विलय को भी निर्बाध रूप से निष्पादित किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने विभिन्न समयों पर बैंक के जोखिम, आईटी और अनुपालन कार्यों का भी नेतृत्व किया।

श्री खारा दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से वाणिज्य में स्नातकोत्तर और एफएमएस, नई दिल्ली से एमबीए हैं। वह इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस के फेलो हैं। श्री खारा अध्ययन में गहरी रुचि रखते हैं। वे सभी भारतीयों के लिए बैंकिंग को सरल बनाने और बैंक वित्त को आसानी से सुलभ कराने के लिए वैश्लेषिकी और प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के प्रति प्रतिबद्ध हैं।

श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी, प्रबंध निदेशक (अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, विश्व बाजार एवं प्रौद्योगिकी)

श्री चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी ने जनवरी 2020 से भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंध निदेशक का कार्य भार ग्रहण किया। वे इस समय अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, विश्व बाजार एवं प्रौद्योगिकी के प्रमुख हैं। वर्तमान कार्यभार से पहले श्री शेट्टी बैंक के रिटेल एवं डिजिटल संविभाग का नेतृत्व कर रहे थे। वे भारत सरकार द्वारा गठित विभिन्न कार्यबलों/समितियों के भी अध्यक्ष रहे।

कृषि विज्ञान में स्नातक और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकर के सर्टिफाइड एसोशिएट श्री शेट्टी ने भारतीय स्टेट बैंक में परिवीक्षा अधिकारी के रूप में अपना कॅरियर वर्ष 1988 में शुरू किया। तीन दशकों के अपने कॅरिअर में उन्हें कॉरपोरेट ऋण, रिटेल, डिजिटल एवं अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग तथा विकसित बाज़ारों के बैंकिंग का समृद्ध अनुभव है।

श्री शेट्टी ने उप प्रबंध निदेशक तनावग्रस्त आस्ति समाधान समूह, कॉरपोरेट लेखा समूह के मुख्य महाप्रबंधक एवं महाप्रबंधक, मिड कॉरपोरेट समूह के उप महाप्रबंधक तथा एसबीआई, न्यू यार्क शाखा के वाइस प्रेसिडेंट एवं प्रमुख (सिंडिकेशन) सहित भारतीय स्टेट बैंक के प्रमुख कार्य संभाला।

श्री स्वामीनाथन जानकीरामन, प्रबंध निदेशक (कॉरपोरेट बैंकिंग (सीएजी एवं सीसीजी) एवं अनुषंगियां)

श्री स्वामीनाथन जानकीरामन भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के प्रबंध निदेशक (कॉरपोरेट बैंकिंग एवं अनुषंगियाँ) हैं। भारतीय स्टेट बैंक के 33 वर्षों से अधिक के कॅरियर में, आपने कॉरपोरेट एवं अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, खुदरा व डिजिटल बैंकिंग, वित्त और बीमा क्षेत्र के विभिन्न पदों पर कार्य किया है।

प्रबंध निदेशक (कॉरपोरेट बैंकिंग एवं अनुषंगियाँ) के रूप में अपनी वर्तमान कार्यभार में श्री स्वामीनाथन बैंक के सहयोगियों एवं अनुषंगियों के साथ-साथ बैंक के बड़े कॉरपोरेट और वाणिज्यिक ऋण व्यवसाय का कार्य संभाल रहे हैं। इसमें क्रेडिट कार्ड, म्यूचुअल फंड, जीवन एवं सामान्य बीमा, कैपिटल मार्केट, कस्टोडियल सेवाएं आदि जैसे गैर-बैंकिंग व्यवसाय आदि शामिल हैं।

इस असाइनमेंट से पहले प्रबंध निदेशक (जोखिम, अनुपालन और एसएआरजी) के रूप में, आपने बैंक के जोखिम प्रबंधन कार्यों के साथ-साथ विनियामक अनुपालन ढांचे की देखरेख का कार्य किया है। उससे पूर्व, उप प्रबंध निदेशक वित्त के रूप में, आपने बजट, पूंजी नियोजन, वित्तीय रिपोर्टिंग, कराधान, लेखापरीक्षा, आर्थिक अनुसंधान, निवेशक संबंध और सचिवालयीन अनुपालन के कार्यों को कुशलता से संभाला है। भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य डिजिटल अधिकारी के रूप में, आपने बैंक के डिजिटल एवं लेनदेन बैंकिंग विभागों के प्रमुख के रूप में भी कार्य किया है। इससे पूर्व, श्री स्वामीनाथन ने भारतीय स्टेट बैंक के हैदराबाद मंडल के मुख्य महाप्रबंधक के रूप में तेलंगाना राज्य में भारतीय स्टेट बैंक के व्यवसाय का संचालन किया।

श्री स्वामीनाथन ने भारतीय स्टेट बैंक, अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग समूह, कॉरपोरेट केंद्र, मुंबई में कार्य महाप्रबंधक (एफआईजी) के रूप में कार्य किया है, जो भारतीय स्टेट बैंक के प्रतिनिधि बैंकिंग संबंधों को संभालता है। उप महाप्रबंधक के रूप में, वे ग्लोबल ट्रेड सर्विसेज के प्रमुख थे, जहाँ आपके पास भारतीय स्टेट बैंक के विदेशी कार्यालयों के व्यापार वित्त व्यवसाय और व्यापार का उत्तरदायित्व था। वे न्यूयॉर्क में भारतीय स्टेट बैंक की शाखा में व्यापार वित्त के प्रमुख भी रहे। भारतीय स्टेट बैंक के नामिती के रूप में, आपने बैंक ऑफ भूटान के बोर्ड को अपनी सेवाएँ प्रदान की हैं, जो भूटान में भारतीय स्टेट बैंक का एक संयुक्त उद्यम है।

भारतीय स्टेट बैंक के नामिती के रूप में श्री स्वामीनाथन यस बैंक, एनपीसीआई, एनपीसीआई इंटरनैशनल और जियो पेमेंट्स बैंक के बोर्ड के निदेशक रहे। वर्तमान में, श्री स्वामीनाथन बैंक की गैर-बैंकिंग सहायक कंपनियों के बोर्ड में एसबीआई के नामित निदेशक हैं। वे एक सर्टिफाइड एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग स्पेशलिस्ट (सीएएमएस) के साथ-साथ सर्टिफाइड डॉक्यूमेंटरी क्रेडिट स्पेशलिस्ट (सीडीसीएस) भी हैं।

श्री अश्विनी कुमार तिवारी, प्रबंध निदेशक (जोखिम, अनुपालन एवं तनावग्रस्त आस्ति समाधान समूह)

श्री अश्विनी कुमार तिवारी करियर बैंकर हैं, जिन्होंने भारतीय स्टेट बैंक में परिवीक्षा अधिकारी के रूप में वर्ष 1991 में अपना करियर शुरू किया। वर्तमान में, वे भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंध निदेशक हैं और जून 2022 से जोखिम, अनुपालन और तनावग्रस्त परिसंपत्तियों के पोर्टफोलियो को संभालने वाले पूर्णकालिक निदेशक हैं। वे वर्तमान में बैंक में जलवायु जोखिम प्रबंधन को चलाने और बैंक की तनावग्रस्त संपत्ति रणनीति को आकार देने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इससे पहले वे प्रबंध निदेशक थे, जो क्रेडिट कार्ड, परिसंपत्ति प्रबंधन, जीवन और सामान्य बीमा, पूंजी बाजार, कस्टोडियल सर्विसेज आदि सहित बैंक की अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी और गैर-बैंक सहायक कंपनियों को संभालते थे और इन सभी कंपनियों के बोर्डों में कार्य करते थे। एसबीआई के प्रौद्योगिकी क्षेत्र के नवोन्मेषण में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। एसबीआई में प्रबंध निदेशक बनने से पहले, उन्होंने एसबीआई कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ के रूप में कार्य किया।

वे लगभग तीन दशकों से भारत के सबसे पुराने एवं सबसे बड़े बैंकिंग समूह भारतीय स्टेट बैंक से जुड़े रहे और भारत एवं विदेश के कई स्थानों में बैंक के विभिन्न पदों पर उन्होंने कार्य किया। एसबीआई कार्ड्स के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के रूप में उन्होंने जीपे, पेटीएम, बीपीसीएल आदि के साथ की गई महत्वपूर्ण भागीदारियों का पर्यवेक्षण किया और कोविड अवधि के तुरंत बाद की अवधि के दौरान कंपनी का संचालन किया।

इससे पहले, वे अप्रैल 2017 से जुलाई 2020 तक भारतीय स्टेट बैंक के यूएस परिचालनों के कंट्री हेड रहे। इसमें न्यूयार्क, शिकागो, लॉस एंजेल्स, वाशिंगटन डीसी एवं साओ पालो (ब्राज़ील) के उसके कार्यालय शामिल हैं। इससे पहले वे भारतीय स्टेट

बैंक के क्षेत्रीय प्रमुख एवं महाप्रबंधक, ईस्ट एशिया रहे। हांग कांग में रहते हुए उन्होंने हांग कांग, चीन, जापान, कोरिया एवं पड़ोसी क्षेत्र में भारतीय स्टेट बैंक के व्यवसाय विकास एवं नियंत्रण का देखरेख किया।

इन वर्षों में आपने उप महाप्रबंधक (परिचालन एवं सूचना प्रणाली), अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग समूह, मुंबई, भारतीय स्टेट बैंक के नकदी प्रबंधन के प्रमुख, क्षेत्रीय प्रबंधक, शाखा प्रमुख सहित भारतीय स्टेट बैंक में अन्य नेतृत्व पद उन्होंने संभाला।

इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त श्री तिवारी भारतीय बैंकर संस्थान के प्रमाणित एसोशिएट, प्रमाणित वित्तीय आयोजक हैं तथा उन्होंने एक्सएलआरआई से प्रबंधन का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम पूरा किया। उन्होंने बोर्ड ऑफ इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकर्स, न्यूयार्क, तथा बोर्ड ऑफ यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन ग्लोबल बैंकर्स प्रोग्राम का कार्य भी संभाला।

प्रामाणिकता के सिद्धांतों पर आधारित दर्शन एवं अर्थपूर्ण बदलाव उन्हें जीवन में प्रेरित करते रहते हैं। श्री तिवारी बहुत ही अच्छे अध्येता हैं, जिनकी भारतीय इतिहास, विज्ञान कथा साहित्य एवं साहित्य में विशेष रुचि है। जॉगिंग और क्रिकेट प्रेमी श्री तिवारी समय मिलने पर किशोर कुमार एवं मोहम्मद रफी के पुराने मधुर गीतों को सुनना पसंद करते हैं।

श्री आलोक कुमार चौधरी, प्रबंध निदेशक (खुदरा व्यवसाय एवं परिचालन)

श्री आलोक कुमार चौधरी 07 जून 2022 से भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंध निदेशक हैं।

श्री चौधरी ने वर्ष 1987 में भारतीय स्टेट बैंक में परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में अपना करियर आरंभ किया तथा उन्होंने रिटेल बैंकिंग, वाणिज्यिक बैंकिंग, एमएसएमई, कृषि एवं ग्रामीण व्यवसाय, शाखा प्रबंधन, मानव संसाधन एवं वित्त जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कार्य किया है। वे एक अनुभवी बैंकर हैं, जिन्हें शाखाओं, क्षेत्रीय कार्यालयों, आंचलिक कार्यालयों, स्थानीय प्रधान कार्यालय एवं कॉरपोरेट केंद्र स्तर पर विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर काम करने का 36 वर्षों से अधिक का लंबा अनुभव है।

प्रबंध निदेशक पद पर पदोन्नति से पूर्व श्री चौधरी बैंक के वित्त वर्टिकल के प्रमुख के रूप में उप प्रबंध निदेशक (वित्त) पद पर थे, जहाँ उन्होंने कार्यनीतिक योजना एवं बजट बनाने, महत्वपूर्ण व्यवसाय एवं कार्यनीतिक निर्णयों का निष्पादन विश्लेषण करने, पूँजी नियोजन एवं पूँजी संग्रहण, निवेशक संबंध, वित्तीय रिपोर्टिंग, लेखापरीक्षण, आस्ति एवं देयता प्रबंधन एवं बैलेंस शीट प्रबंधन करना जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया।

उन्होंने बैंक के मानव संसाधन वर्टिकल का भी नेतृत्व किया है एवं कई जटिल एवं नवोन्मेषी पहल भी किए। वे एसबीआई फाउंडेशन एवं एसबीआई इंफ्रा मैनेजमेंट सॉल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड के बोर्ड सदस्य भी रहे हैं। बैंक के उप प्रबंध निदेशक एवं कॉरपोरेट विकास अधिकारी के रूप में, वे भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य संवहनीयता अधिकारी भी थे।

उससे पहले, उन्होंने वर्ष 2016 में बैंक के दिल्ली मंडल का भी नेतृत्व किया जहाँ रहते हुए उन्होंने सहयोगी बैंक शाखाओं के विलय का कार्यान्वयन किया तथा उन शाखाओं के ग्राहकों, व्यवसाय मिश्र, वृद्धि एवं कार्य संस्कृति के संबद्ध बदलाव प्रक्रिया का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया, जिसके परिणामस्वरूप व्यवसाय एवं लाभ में बढ़ोतरी हुई।

श्री चौधरी विज्ञान के स्नातक हैं तथा उनके पास ग्रामीण विकास में स्नातकोत्तर डिग्री भी है। वे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस के प्रमाणित एसोसिएट हैं तथा उन्होंने आईआईएम लखनऊ एवं आईएसबी हैदराबाद में आयोजित विभिन्न सम्मेलनों / संगोष्ठियों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भी सहभागिता की है। उन्होंने सिलिकॉन वैली, अमेरिका में ग्लोबल एडवांस्ड मैनेजमेंट प्रोग्राम में भी सहभागिता की है।

गैर-कार्यपालक निदेशक

डॉ. विवेक जोशी

डॉ. विवेक जोशी 15 नवंबर 2022 से अगले आदेश तक एसबीआई अधिनियम की धारा 19(ई) के तहत केंद्र सरकार द्वारा नामित निदेशक हैं।

डॉ. जोशी 1989 में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में शामिल हुए। उन्होंने ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट जिनेवा (स्विट्जरलैंड) से अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र में पीएचडी की है तथा उन्होंने प्रोफेसर रिचर्ड बाल्डविन के मार्गदर्शन में डॉक्टरेट की उपाधि पूरी की। वे रुड़की विश्वविद्यालय (अब, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की) के पूर्व छात्र भी हैं, जहां उन्होंने 1987 में मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीई किया।

डॉ विवेक जोशी वर्तमान में 1 नवंबर, 2022 से भारत सरकार, वित्तीय सेवा विभाग, वित्त मंत्रालय के सचिव के रूप में सेवारत हैं। इस कार्य में डॉ जोशी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, बीमा क्षेत्र, वित्तीय संस्थानों, वित्तीय समावेशन और पेंशन सुधारों सहित बैंकिंग क्षेत्र से संबंधित नीतियों, योजनाओं और कानूनों से संबंधित दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं। वे भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के बोर्ड में सदस्य के रूप में भी कार्यरत हैं।

इस पद से पूर्व, वे लगभग चार वर्षों तक गृह मंत्रालय, भारत सरकार के तहत रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त, भारत के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने हरियाणा सरकार के साथ प्रधान सचिव, निगरानी और समन्वय, सीईओ, गुरुग्राम मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी, गुरुग्राम; मुख्य प्रशासक, हरियाणा व्यापार मेला प्राधिकरण (टीएफएएच), नई दिल्ली; निदेशक स्वर्ण जयंती हरियाणा राजकोषीय प्रबंधन संस्थान, पंचकुला के रूप में भी कार्य किया है। इन प्रभारों से पूर्व उन्होंने सदस्य सचिव, पांचवें राज्य वित्त आयोग और हरियाणा राज्य में डिवीजनल कमिश्नर अंबाला (2017-2018) के रूप में भी अपनी सेवाएँ दी हैं। 2014-2017 के दौरान, उन्होंने वित्त मंत्रालय, भारत सरकार में संयुक्त सचिव के रूप में कार्य किया, जहां उनकी जिम्मेदारियों में सार्वजनिक खरीद नीति निर्धारण में सरकार को परामर्श देना शामिल था। वे अर्थव्यवस्था के कुछ प्रमुख क्षेत्रों जैसे सड़क और राजमार्ग, शहरी विकास, यूआईडीएएल अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा और रेलवे में सार्वजनिक वित्त पोषित परियोजनाओं और योजनाओं के मूल्यांकन में भी शामिल रहे। उन्होंने स्वच्छ भारत के उद्देश्य की प्राप्ति हेतु सरकार द्वारा गठित सार्वजनिक कोष स्वच्छ भारत कोष (एसबीके) के पहले प्रशासक के रूप में भी कार्य किया। उन्होंने महिला और बाल विकास मंत्रालय (2010-2014) में भारत सरकार के संयुक्त सचिव के रूप में भी कार्य किया है, जहाँ बाल अधिकार और बाल संरक्षण के क्षेत्र में उन्होंने अपना योगदान दिया।

उन्होंने वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार (2001-2006) में निदेशक के रूप में भी कार्य किया है, जहां उन्होंने डब्ल्यूटीओ से संबंधित वस्त्र मामलों, विशेष रूप से गैर-कृषि बाजार पहुंच (एनएएमए) और वस्त्र और कपड़ा (एटीसी) वार्ताओं, जूट और कपास क्षेत्र से जुड़े समझौतों में मंत्रालय के सलाहकार रहे। उन्होंने क्षेत्रीय व्यापार समझौता वार्ताओं, विशेष रूप से दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार समझौते (साफ्टा) और भारत श्रीलंका एफटीए से संबंधित मामलों में भी हिस्सा लिया।

इसके अतिरिक्त, वह हरियाणा राज्य में उपायुक्त, संयुक्त सचिव वित्त और ट्रेजरी के निदेशक रहे हैं।

श्री अनिल कुमार शर्मा

श्री अनिल कुमार शर्मा 13 अप्रैल 2021 से अगले आदेश तक एसबीआई अधिनियम की धारा 19(एफ) के तहत केंद्र सरकार द्वारा नामित निदेशक हैं।

श्री शर्मा भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व कार्यकारी निदेशक हैं।

उन्होंने दोआबा कॉलेज, जालंधर, पंजाब से अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर किया और वर्ष 1986 में भारतीय रिज़र्व बैंक में आने से पूर्व वे गोखले इन्स्टीट्यूट ऑफ पॉलिटिक्स एंड एकनामिक्स, पुणे में यूजीसी फेलो रहे। वे ट्रेजरी एवं जोखिम प्रबंधन में डिप्लोमा धारक हैं और भारतीय बैंकर संस्थान के प्रमाणित सहयोगी हैं।

रिज़र्व बैंक में उनका अनुभव पर्यवेक्षण, ग्रामीण ऋण और वित्तीय समावेशन, ग्राहक शिक्षा और संरक्षण, मुद्रा और बैंकिंग के प्रबंधन के क्षेत्र में रहा है। उन्होंने रिजर्व बैंक कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चरल बैंकिंग, पुणे में संकाय के सदस्य के रूप में भी कार्य किया है।

श्री बी. वेणुगोपाल

श्री बी. वेणुगोपाल का जन्म 1959 में हुआ है। वे भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (सी) के अंतर्गत शेयरधारकों द्वारा 26 जून 2020 से 25 जून 2023 तक की अवधि के लिए पुनः निर्वाचित निदेशक हैं। वे भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के पूर्व प्रबंध निदेशक हैं, जिन्हें एलआईसी में 36 वर्ष और तत्कालीन स्टेट बैंक ऑफ त्रावणकोर में 2 साल के कार्य का अनुभव है।

वाणिज्य और लागत लेखा में केरल विश्वविद्यालय के स्नातक, श्री वेणुगोपाल ने राष्ट्रीय बीमा अकादमी- पुणे, आईआईएम- अहमदाबाद और कोलकाता, आईएसबी-हैदराबाद, एशियाई प्रबंधन संस्थान - मनीला और फालिया- जापान से व्यापार रणनीतियों, परियोजना प्रबंध, वित्त, विपणन, सूचना प्रौद्योगिकी आदि में व्यापक प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

एलआईसी में अपने करियर के दौरान उन्होंने विपणन, प्रशासन और सूचना प्रौद्योगिकी सहित कार्यकारी निदेशक (सूचना प्रौद्योगिकी), प्रमुख (आईटी/बीपीआर) क्षेत्रीय प्रबंधक (ईएंडओएस), चेन्नई तथा मदुरै व कोयम्बतूर प्रभागों के वरिष्ठ प्रभागीय प्रबंधक सहित संस्था के कामकाज के सभी क्षेत्रों में व्यापक अनुभव अर्जित किया है।

प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यभार संभालने से पहले वे एलआईसी के 8 मंडलों में से सबसे बड़े- पश्चिमी क्षेत्र, जिसमें गोवा, गुजरात और महाराष्ट्र राज्य शामिल हैं, के प्रभारी मंडल प्रबंधक थे और एलआईसी की प्रीमियम आय का लगभग 25% हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है।

चूंकि एलआईसी अपने सभी सॉफ्टवेयर को इन-हाउस विकसित और बनाए रखता है, इसलिए उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी में व्यापक ज्ञान प्राप्त किया, जिसमें शुरू में प्रोग्रामर, सिस्टम्स एनालिस्ट के रूप में काम किया और बाद में 7 वर्षों के लिए आईटी के प्रमुख के रूप में भी कार्य किया। एलआईसी के कोर बिजनेस सॉल्यूशन (1995-97) की शुरुआत, प्रथम मेट्रो एलआईसी के कोर एरिया नेटवर्किंग और आईवीआर सिस्टम्स ऑफ एलआईसी (1998), कॉरपोरेट एक्टिव वेयरहाउस (2005), ऑनलाइन प्रीमियम कलेक्शन (2006), एंटरप्राइज डॉक्यूमेंट मैनेजमेंट सिस्टम्स (2007) और ऑनलाइन अंडरराइटिंग इंजन और ऑनलाइन सेल ऑफ पॉलिसीज (2012) की शुरुआत सहित आईटी के क्षेत्र में एलआईसी द्वारा की गई अधिकांश पथ प्रदर्शक

पहलों का विकास और कार्यान्वयन करने वाली टीमों का नेतृत्व करना उनका सौभाग्य रहा है। आईटी के प्रमुख के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान एक से अधिक अवसरों पर, एलआईसी ने भारत में बीमा कंपनियों के बीच आईटी के सर्वश्रेष्ठ उपयोगकर्ता के लिए नैसकॉम पुरस्कार जीता है।

2009 से उन्होंने भारत और विदेश के विभिन्न संस्थानों के निदेशक मंडलों तथा राष्ट्रीय बीमा अकादमी और भारतीय बीमा संस्थान के प्रबंध मंडल का प्रतिनिधित्व करने के साथ-साथ भारतीय जीवन बीमा निगम, भविष्य निधि तथा भारतीय जीवन बीमा निगम स्वर्ण जयंती फाउंडेशन के संरक्षक के रूप में कार्य किया है। वर्तमान में वे भारतीय स्टेट बैंक तथा नैशनल कमोडिटीज एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड (एमसीडीइएक्स) के बोर्ड के स्वतंत्र निदेशक के पद पर कार्यरत हैं।

डॉ. गणेश नटराजन

डॉ. गणेश नटराजन, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(सी) के अंतर्गत 26 जून 2020 से 25 जून 2023 तक की अवधि के लिए शेयरधारकों द्वारा निर्वाचित निदेशक हैं। डॉ. गणेश नटराजन 5F वर्ल्ड के संस्थापक और अध्यक्ष हैं, जो डिजिटल कौशल और डिजिटल परिवर्तन में वैश्विक परामर्श और निवेश का मंच है। वे हनीवेल ऑटोमेशन इंडिया लिमिटेड और लाइटहाउस कम्युनिटीज फाउंडेशन के अध्यक्ष भी हैं। इससे पूर्व वे एसवीपी इंडिया के अध्यक्ष और एप्टेक लिमिटेड और जेनसर टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के एमडी थे। उन्हें एनआईटीआईई और आईआईटी बॉम्बे का विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार मिल चुका है। उनके काम पर दो केस स्टडीज आईएसबी आईआईएम बेंगलूरु और हार्वर्ड बिजनेस स्कूल में लिखी और पढ़ाई गई।

सीए केतन एस विकमसी

सीए केतन एस विकमसी भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(सी) के तहत 26 जून 2020 से 25 जून 2023 तक की अवधि के लिए शेयरधारकों द्वारा निर्वाचित निदेशक हैं। श्री विकमसी केकेसी एंड एसोसिएट्स एलएलपी, चार्टर्ड एकाउंटेंट्स (पूर्ववर्ती खिमजी कुंवरजी एंड कंपनी एलएलपी) में वरिष्ठ भागीदार हैं, इस फर्म की स्थापना 1936 में हुई थी। उनकी योग्यताओं में आइसीएआइ का आइएफआरएस सर्टिफिकेशन; आइसीएआइ की सूचना प्रणाली लेखा परीक्षा (डीआइएसए) में डिप्लोमा; और आइडीआरबीटी, हैदराबाद का बोर्ड सदस्यों के लिए आईटी व साइबर सुरक्षा में सर्टिफिकेशन शामिल है। वे भारतीय कॉर्पोरेट मामलों के संस्थान के साथ एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में पंजीकृत हैं।

उन्हें बड़े बैंकों, विनिर्माण प्रतिष्ठानों, निवेश बैंकों, बीमा कंपनियों और म्यूचुअल फंडों की लेखापरीक्षा के क्षेत्रों में तीस से अधिक वर्षों का अनुभव है। वे विभिन्न सेमिनारों, बैठकों, आइसीएआइ की क्षेत्रीय परिषदों, आइसीएआइ, भारतीय रिज़र्व बैंक, सीएजी व कई अन्य संगठनों की शाखाओं और अध्ययन मंडलों द्वारा आयोजित व्याख्यानों में वक्ता/अध्यक्ष रहे हैं। वे विपश्यना अनुसंधान संस्थान, इगतपुरी और श्री वी एल विद्यार्थीगृह के ट्रस्टी हैं, जो मुंबई शहर के बीच 150 छात्रों की क्षमता युक्त अत्याधुनिक छात्रावास संचालित करने वाला एक गैर-सरकारी संगठन है। वे वन्यजीव और प्रकृति प्रेमी हैं, पेशेवर फोटोग्राफी में उनकी गहरी रुचि है और उन्हें नए स्थानों और विभिन्न दिलचस्प संस्कृतियों की खोज में दुनिया भर की यात्रा करना पसंद है।

श्री मृगांक एम परांजपे

श्री मृगांक एम परांजपे भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19 (सी) के अंतर्गत शेयरधारकों द्वारा 26 जून 2020 से 25 जून 2023 तक के लिए निर्वाचित निदेशक हैं। वे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मुंबई से बैचलर इन टेक्नोलॉजी हैं, साथ ही वे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट अहमदाबाद से पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट हैं। उन्हें विभिन्न कार्यात्मक एवं भौगोलिक

क्षेत्रों में बैंकिंग, पूंजी बाजार, परिसंपत्ति प्रबंधन और स्टॉक ब्रोकिंग में 30 से अधिक वर्षों का अनुभव प्राप्त है। वर्तमान में वे एनसीडीईएक्स ई मार्केट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी हैं। इससे पहले वे मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी रहे हैं। उससे पूर्व वे सिंगापुर और भारत में ड्यूश बैंक में वरिष्ठ प्रबंधन पदों पर रहे। पूर्व में उन्होंने आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी, इंडिया इंफोलाइन, आईएनजी बैरिंग्स और सिटीबैंक के साथ कार्य किया है।

सीए प्रफुल्ल पी छाजेड

सीए प्रफुल्ल पी छाजेड भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(डी) के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा 21 दिसंबर 2021 से 3 वर्ष की अवधि के लिए नामित निदेशक हैं।

सीए प्रफुल्ल छाजेड़ द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के फेलो और प्रैक्टिसिंग सदस्य और सीपीए (ऑस्ट्रेलिया) के सदस्य हैं। उन्होंने एलएलबी (जनरल) किया है तथा फॉरेंसिक अकाउंटिंग एंड फ्रॉड डिटेक्शन और सर्टिफिकेट ऑन बिजनेस रिस्पॉन्सिबिलिटी एंड सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट (बीआरएसआर) पर आईसीएआई प्रमाणन किया है।

वे द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (2019-20) के अध्यक्ष थे और आईसीएआई (2007-08) के डब्ल्यूआईआरसी के रहे हैं। वे कन्फेडरेशन ऑफ एशिया एंड पैसिफिक अकाउंटेंट्स (सीएपीए), मलेशिया (2021-2023) के उपाध्यक्ष हैं। वे इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ अकाउंटेंट्स (आईएफएसी), न्यूयॉर्क के प्रोफेशनल अकाउंटेंसी ऑर्गनाइजेशन डेवलपमेंट ग्रुप के सदस्य हैं। वे मुंबई स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पब्लिक पॉलिसी (मुंबई विश्वविद्यालय) के प्रबंधन बोर्ड के सदस्य हैं। वे गवर्निंग काउंसिल के सदस्य और महाराष्ट्र चैंबर ऑफ कॉमर्स, उद्योग और कृषि की बैंकिंग, वित्त और सूचना प्रौद्योगिकी समिति के अध्यक्ष हैं।

अतीत में, उन्होंने बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीए) में एक स्वतंत्र निदेशक और सेबी की प्राथमिक बाजार सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया है। उन्होंने आईसीएआई अकाउंटिंग रिसर्च फाउंडेशन में निदेशक, आईसीएआई के भारतीय दिवाला पेशेवर संस्थान में निदेशक, आईसीएआई पंजीकृत मूल्यांकनकर्ता संगठन में निदेशक, एक्सटेंसिबल बिजनेस रिपोर्टिंग लैंग्वेज (एक्सबीआरएल) इंडिया में निदेशक के रूप में कार्य किया है। वे इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ अकाउंटेंट्स (आईएफएसी) द्वारा गठित वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ अकाउंटेंट्स 2022 की कार्यकारी समिति के अध्यक्ष थे। उन्होंने एसबीआई म्यूचुअल फंड ट्रस्टी कंपनी (पी) लिमिटेड में एक स्वतंत्र निदेशक और जीआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के स्वतंत्र निदेशक के रूप में भी कार्य किया है। उन्होंने एसएएफए, आईएफएसी एसएमपी समिति, सीए वर्ल्डवाइड, एकीकृत रिपोर्टिंग परिषद आदि जैसे विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में कार्य किया है। उन्होंने व्यापक रूप से दुनिया भर की यात्रा की है और भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई सेमिनारों और सम्मेलनों को संबोधित किया है।

श्रीमती स्वाति गुप्ता

श्रीमती स्वाति गुप्ता भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम की धारा 19(डी) के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा 08 मई 2023 से 3 वर्ष की अवधि के लिए नामित निदेशक हैं।

श्रीमती गुप्ता ने दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक और राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर किया। उनके पास एल.एल.बी. की

उपाधि भी है। उनके पास प्रशासन में 30 से अधिक वर्षों का अनुभव है। वे 2012-2017 तक दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की निगम पार्षद और जोनल चेयरमेन निर्वाचित हुई थीं। उन्हें 2017-2022 तक शिक्षा समिति, एमसीडी का सदस्य नामित किया गया था। वे एक सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद् हैं। दिल्ली में वह एक चैरिटेबल ट्रस्ट और प्री-स्कूल चलाती हैं। उन्हें महिलाओं, कानूनी, उपभोक्ता और सामाजिक मुद्दों के मामलों का बृहत अनुभव प्राप्त है।

xxxxxxxxx